[श्री चन्द्रशेखर सिंह]

अनाचार और दुराचार के खिलाफ़ वहां एक जेहाद-सा छिड गया है। आजमगढ़ी और गैर आजमगढ़ी की तिफ़रक करके वहां के वाइस चासलर ने आजमगढ़ी लडको को पिटवाया, जिसके कारण लडकों के सिर टूटे, पैर टूटे और हाथ टूटे। स्थिति बहुत भयकर बनती चली जा रही है। अलीगढ से पूर्व के जो विद्यार्थी है उन में से 28 को निष्कासन कर दिया गया है और यह निष्कासन बिना अनुशासन समिति की सिफारिश के किया गया है। यह हालत वहा बनती चली जा रही है। आज विश्वविद्यालय दो गुटो मे पूरा का पूरा विभक्त हो चुका है। लखनऊ, आजमगढ़, वाराणसी, गोरखपुर, बस्ती यह सब तो आजमगढ़िया इलाका है, जो बिहार के बोर्डर से सटा हुआ है, यहा के लोग आजमगढी इलाके के हैं और उनके साथ वहा का वाइस चासलर सौतेला व्यवहार कर रहा है। इस तरह के व्यवहार के चलते वहा के विद्यार्थियो के लिए वहा रहना दुभर हो गया है। अस्त व्यस्त, त्रस्त, घोर आपदा ग्रस्त और उपद्रवग्रहस्त, ऐसी स्थिति मे वहा वाइस चासलर के रहते बनती चली जा रही है। स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। वहा विद्यार्थियो की माग है कि वाइस चासलर को तुरन्त हटाया जाए। मैं चाहता हू कि सरकार इस ओर ध्यान दे और तत्काल कोई प्रभावकारी कार्य करे।

(iv) LIKELIHOOD OF LOCUST INVASION

श्री नाथू सिंह (दौसा) नियम 377 के तहत मैं इस मामले को उठा रहा हू। विश्व खाद्य एव कृषि सगठन के अनुसार अफ्रीका, अरब देशो और भारतीय उपमहाद्वीप मे भारी टिड्डी दलो के हमले की आशंका उत्पन्न हो गई है। पता चला है कि अरबो की सख्या में टिड्डियो के दल अफ्रीकी देशो मे प्रविष्ट हो रहे हैं। टिड्डियों की सख्या एक किलोमीटर मे चालीस हजार लाख से ले क आठ हजार लाख तक होती है। 1958 मे टिड्डियों के इस दलों ने हमारे यहां 1.67 लाख टन अनाज नष्ट कर दिया था।

स्वतन्त्रता के बाद चीन और पाकिस्तान ने ही हमारे देश पर हमला नही किया कई बार इन टिड्डी दलो ने भी किया जिससे लाखो टन अनाज की क्षति हुई। इसके बारे मे मैं सरकार को सतर्क करना चाहता हूं, मत्री महोदय को सतर्क करना चाहता हूं और चाहता हू कि वह ऐसी व्यवस्था करे ताकि ये टिड्डी दल हमारे देश की सीमाओ मे प्रविष्ट न हो सके और उनके द्वारा नष्ट होने वाले अनाज को बचाया जा सके। यदि ऐसा नही किया गया तो देश को ज भारी क्षति होग उससे बचा नही जा सकेगा।

(v) SERIOUS SITUATION IN PATNA

श्री मनोहर लाल (कानपुर) 377 के अधीन मैं आपका तथा इस माननीय सदन का ध्यान दिलाते हुए पटना मे जो विस्फोटक स्थिति पैदा होती जा रही है उसकी ओर ध्यान खीचना चाहता हू। कांग्रेस ने शुरू से ही डिवाइड एड रूल की नीति का अवलम्बन किया था। इस नीति का अवलम्बन करने मे उसने 30 साल तक जरा भी सकोच नही किया। गद्दी से हटने के बाद भी वह खुलेआम इसी नीति पर चल रही है। आपने जैसा अखबारो मे देखा होगा कि श्री जयप्रकाश नारायण के अमृत महोत्सव पर भी जातिवाद का नारा लगाया गया और कुछ अशोभनीय घटनाएं की गई। श्री जगजीवन राम के साथ वहा के मुख्य मत्री श्री कर्पूरी ठाकुर के साथ भी इसी तरह का अभद्र व्यवहार किया गया है। अराजक तत्वो के साथ इन लोगो ने मिल कर इस तरह की घटनाए वहां पर कराई हैं। काका कालेलकर की अध्यक्षता मे बने कमीशन ने अपनी रिपोर्ट दी जिसमे बैकवर्ड क्लासिस के लोगो के लिए तरह तरह की सुविधाए देने की सिफारिश की गई थी। लेकिन आज तक हमारी कांग्रेस की सरकार ने जब तक वह सत्ता मे रही इस रिपोर्ट को कार्यरूप मे परिणत नही किया। आज जब जनता पार्टी की सरकार

बन गई है और पिछड़े वर्गों के लिए रिजर्वेशन का सवाल उसने तय कर दिया है जैसे उत्तर प्रदेश मे पन्द्रह परसेंट किया गया है और बिहार ने 26 परसेंट कर दिया है, इसको लेकर इन अराजक तत्वो के साथ मिल कर कांग्रेस ने डिवाइड एंड रूल की पालिसी अख्त्यार करके एक सकट की स्थिति पैदा कर दी है । पटना मे जो कुछ भी हुआ है और कल जो कुछ हुआ है, इसमे पहले लोकनायक जयप्रकाश नारायण के अमृत महोत्सव के अवसर पर जो कुछ हुआ था, वह इसका सबूत है । पिछले तीस साल के अपने शासन काल मे कांग्रेस के लोगो ने पिछडे लोगो की तरफ कोई ध्यान नही दिया और अगर दिया होता तो इस प्रकार की स्थिति पैदा न हुई होती । पिछडे वर्गों की तरफ जनता सरकार ने ध्यान दिया है उसको लेकर कांग्रेस के लोगो ने योजनाबद्ध तरीके से आन्दोलन करना शुरू कर दिया है औ अराजक तत्वो के साथ मिल कर वह ऐसा कर रही है और जनता सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रही है और डिवाइड एड रूल की अपनी पुरानी नीति का अनुसरण कर रही है जो उसको अग्रेजो से विरासत मे मिली थी । जनता सरकार को सतर्क होना चाहिये, चिन्तित भी होना चाहिये । जातिवाद के आधार पर वहा कांग्रेस के लोगो ने अराजक तत्वो मे मिल कर इस प्रकार की अशोभनीय घटनाए कराई हैं । इसकी मै भर्त्सना करता हू और इस सदन को भी करना चाहिये मैं प्रार्थना करता हू कि जनता सरकार इस तरह की घटनाओ को घटने से रोके । जो लोग इस तरह से गडबडी पैदा करने की कोशिश कर रहे है और डिवाइड एड रूल की पालिसी अख्त्यार किए हुए है उनके विरुद्ध जनता ने बहुत बडा फैसला दे दिया था लेकिन फिर भी वे अपनी इन हरकतों से बाज नही आ रहे हैं । तो जनता उनके खिलाफ कार्यवाही करेगी ही, लेकिन सरकार भी ला ऐंड आर्डर बनाये रखने की तरफ ध्यान दे, और जो लोग गलत काम कर रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करे । बैकवर्ड लोगों को उकसा कर जो डिवाइड ऐड रूल की पालिसी चला रहे हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी, ऐसी हमारी मांग है ।

12.55 hrs.

GENERAL BUDGET, 1978-79--

GENERAL DISCUSSION—*contd.*

MR. SPEAKER: Now, further discussion on the Budget (General) for 1978-79. Mr. S. S. Das may continue his speech. He has already taken 12 minutes. So, he may please be brief.

श्री एस. सुन्दर दास (सीतामढी) अध्यक्ष जी, कल मैं बता रहा था कि किस प्रकार उपनिवेशवादिता के समाप्त हो जाने के बावजूद भी देश मे पिछले 30 साल से जो अर्थ-व्यवस्था चल रही थी वह उसी प्रकार की अर्थ-व्यवस्था थी जिसमे कि देश का अधिकाश हिस्सा उपनिवेशवाद की तरह हो रहा था, और इस माने मे गाधी जी ने जो चेतावनी दी थी कि जब अग्रेज छोड कर चले जायेगे तो अग्रेजी शासको का स्थान इस देश मे अर्बन सेक्टर ले लेगा । गाधी जी की यह आशका शत प्रतिशत सही निकली ।

मुख्यत दो प्रकार की त्रुटिया अभी तक अर्थ-व्यवस्था मे रही है पिछले शासन मे । एक तो थी आर्थिक योजना का कंसेप्ट, मॉडल था उसकी त्रुटि थी और दूसरी त्रुटि उसके इमप्लीमेंटेशन की थी । अब जहा तक इस नये बजट का सवाल है, जनता पार्टी की आर्थिक नीति का सवाल है उसने आयोजना के मद मे जो त्रुटिया थी उनको दूर करके नई दिशा दी है । इस बजट मे भी, जिसका स्वागत प्रतिपक्ष के भी अधिकाश सदस्यो ने किया है, ग्रामीण क्षेत्रो मे, कुटीर उद्योग मे, लघु उद्योगो मे काफ़ी बडी राशि का प्रावधान किया गया है । तो यह एक शुभ लक्षण है जो कि समूचे एकोनामिक पैटर्न को एक नया मोड देगा । अर्थ व्यवस्था के